WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2024

HINACOR13T-HINDI (CC13)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) 'भुजंग भूषण भट्टाचार्य' नाम से 'सरस्वती' में कौन लिखता था ?

(ख) 'आलोचना' पत्रिका के संस्थापक संपादक का नाम लिखिए।

(ग) प्रेमचंद से किस पत्रिका के लिए जमानत मांगी गई थी ?

(घ) 'मतरूकात सिद्धांत' के पैरोकार का नाम लिखिए।

(ङ) देवनागरी लिपि के उन्नयन के लिए 'एक लिपि विस्तार परिषद्' ने किस पत्र का संपादन किया था ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए — 5×3 = 15

(क) प्रताप

(ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ग) जनसत्ता

(घ) नागरी प्रचारिणी सभा

(ङ) धर्मवीर भारती।

3. "उन्नीसवीं शताब्दी के 'जागरण युग' में पत्रकारिता और साहित्य परस्पर अविभाज्य एवं संश्लिष्ट कलाएँ थीं। उनकी अंतरंगता एवं संपृक्तता एक ऐतिहासिक यथार्थ रही हैं।" — इस कथन की युक्तियुक्तता पर विचार कीजिए। 15

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता अपनी पूर्ववर्ती पत्रकारिता की परंपरा से किन अर्थों में भिन्न है ? स्पष्ट कीजिए।

4. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता के विकास में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और महादेवी वर्मा के अवदान पर विचार कीजिए। 15

अथवा

समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता की मूल प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

——×——

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2024

HINACOR14T-HINDI (CC14)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) अनुस्मारक किस प्रकार का पत्र है ?

(ख) भारत में दूरदर्शन का पहला प्रसारण किस वर्ष हुआ था ?

(ग) 'ज्ञापन' को अंग्रेज़ी में क्या कहते हैं ?

(घ) कार्यालयी हिंदी का एक लक्षण लिखिए।

(ङ) 'कार्यालय में हिंदी प्रयोग की दिशाएँ' पुस्तक के लेखक का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर टिप्पणी लिखिए — 5×3 = 15

(क) वैज्ञानिक हिंदी

(ख) हिंदुस्तानी

(ग) आकाशवाणी

(घ) चलचित्र

(ङ) मसौदा।

3. व्यावसायिक हिंदी की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख लक्षणों पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना स्पष्ट करते हुए वार्ता के प्रकार और शैली पर विचार कीजिए।

4. भाषा व्यवहार के अंतर्गत सरकारी पत्राचार के महत्त्व को रेखांकित कीजिए। 15

अथवा

हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण की प्रक्रिया पर विचार कीजिए।

——×——

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY
B.A. Honours 6th Semester Examination, 2024

HINADSE05T-HINDI (DSE3/4)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) उत्तर भारत में राम-भक्ति के विकास का श्रेय किस संप्रदाय को है ?

(ख) तुलसीदास की भक्ति का दार्शनिक मत किस नाम से जाना जाता है ?

(ग) लक्ष्मी-नारायण के उपास्य रूप के साथ 'सीता-राम' की उपासना की शुरूआत करने वाले भक्त का नाम लिखिए।

(घ) तुलसीदास के लोकमंगल की विचार-भूमि क्या है ?

(ङ) 'कविता करके तुलसी न लसे, कविता लसी पा तुलसी की कला।'— किसका कथन है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए — 5×3 = 15

(क) घर कीन्हें घर जात है, घर छाँड़े घर जाइ।
तुलसी घर वन बीच ही राम-प्रेमपुर छाइ॥

(ख) मान राखिबो, माँगिबो, पिय सों नित नव नेहु।
तुलसी तीनिउ तब फबैं, जौ चातक मत लेहु॥

(ग) भए बरन संकर कलि भिन्नसेतु सब लोग।
करहिं पाप पावहिं दुख भय रुज सोक बियोग॥
श्रुति संमत हरि भक्त पथ संजुत बिरति बिबेक।
तेहिं न चलहिं नर मोहबस कल्पहिं पंथ अनेक॥

(घ) अंतरजामिहुतें बड़े बाहेरजामि हैं राम, जे नाम लियेतें।
धावत धेनु पेन्हाइ लवाई ज्यों बालक-बोलनि कान कियेतें॥
आपनि बूझि कहै तुलसी, कहिबेकी न बावरि बात बियेतें।
पैज परें प्रहलादहुको प्रगटे प्रभु पाहनतें, न हियेतें॥

(ङ) जो निज मन परिहरै बिकारा।
तौ कत द्वैत-जनित संसृति-दुख, संसय, सोक अपारा॥
सत्रु, मित्र, मध्यस्थ तीनि ये मन कीन्हें बरिआईं।
त्यागब, गहब, उपेच्छनीय अहि, हाटक, तृन की नाईं॥

3. तद्‌युगीन संदर्भों में हम तुलसी का स्मरण क्यों करें ? 15

अथवा

तुलसीदास के लोकमंगल की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

4. 'कलि-वर्णन' के संदर्भ में तुलसी की समाज दृष्टि पर सोदाहरण विचार कीजिए। 15

अथवा

"तुलसीदास ने स्वयं अपने में लोक को समाहित करके अपनी (स्व) और लोक (पर) की पीड़ा के समाधान-अन्वेषण में एक जैसी तत्परता दिखाई है।" — इस कथन की युक्तियुक्तता पर विचार कीजिए।

——×——

कपट व मिथ्या का आचरण

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2024

HINADSE06T-HINDI (DSE3/4)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) "आज यहाँ कौन रईस, कौन महाजन, कौन मौलवी, कौन पंडित ऐसा है जो मेरे तलुवे सहलाने में अपनी इज्जत न समझे।" — कथन किसका है ?

(ख) प्रेमचन्द ने कुल कितने नाटक लिखें ?

(ग) भारतीय डाक ने किस वर्ष प्रेमचंद के नाम से डाक टिकट जारी किया था ?

(घ) प्रेमचन्द की कहानी पर आधारित 'शतरंज के खिलाड़ी' नामक चलचित्र का निर्देशक का नाम बताइए।

(ङ) किस विख्यात उपन्यासकार ने मुंशी प्रेमचन्द को 'उपन्यास सम्राट' कहकर संबोधित किया था ?

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए — 5×3 = 15

(क) वैभव व दरिद्रता का अत्यन्त करुणात्मक दृश्य था। पालकियों पर कारचोबी के परदे पड़े हुए थे, लेकिन कहारों की वर्दियाँ फटी हुई और बेडौल थीं। गंगाजमुनी सोंटे और बल्लम मजदूरों के हाथों में बिल्कुल शोभा नहीं देते थे।

(ख) यह हमारी ही कुवासनाएँ हैं, हमारे ही सामाजिक अत्याचार, हमारी ही कुप्रथाएँ हैं, जिन्होंने वेश्याओं का रूप धारण किया। यह दालमण्डी हमारे ही जीवन का कलुषित प्रतिबिम्ब, हमारे ही पैशाचिक अधर्म का साक्षात स्वरूप है।

(ग) सच्चा स्वाधीन आदमी वही है, जिसका जीवन आत्मा के शासन से संयमित हो जाता है, जिसे किसी बाहरी दबाव की जरूरत नहीं पड़ती।

(घ) और एक-एक भगवान ऐसे पड़े हैं, जिनके पास जाड़ा जाए तो गरमी से घबड़ाकर भागे। मोटे-मोटे गद्दे, लिहाफ-कम्मल। मजाल है, जाड़े का गुजर हो जाए। तकदीर की खूबी! मजूरी हम करें मजा दूसरे लूटें

(ङ) प्रेम के इस प्रसाद की यह बरकत थी कि दो-दो गाल सूखा भूसा खाकर भी दोनों दुर्बल न होते थे, मगर दोनों की आँखों में, रोम-रोम में विद्रोह भरा हुआ था।

3. "सेवासदन' उपन्यास द्वारा लेखक ने पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों, प्रेम, विवाह, लिंग-भूमिकाओं, शिक्षा और आत्मनिर्णय के महत्त्व को चित्रित किया है।" — सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

प्रेमचन्द द्वारा रचित 'संग्राम' नाटक की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

4. " 'ईदगाह' कहानी में कहानीकार ने आर्थिक विषमता के साथ-साथ जीवन के आधारभूत यथार्थ और मूल्यों को संवेदनात्मकता और सहजता के माध्यम से सरल भाषा में पाठक के दिलो-दिमाग पर अंकित करने की अद्वितीय कोशिश की है।" — कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

" 'पंच परमेश्वर' कहानी में प्रेमचंद लोक में व्याप्त लोभ-लालच, वैर-विरोध, विश्वास-अविश्वास, मित्रता, ईमान और कर्त्तव्यबोध को दर्शाने में सफल रहे हैं।" उक्त कथन के आलोक में कहानी की समीक्षा कीजिए।

——×——